A-0408

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-609

संहिता स्कन्ध–02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. आधुनिक सामाज में मुहूर्त की उपादेयता सिद्ध करते हुए गृहारम्भ मूहूर्त के बारे में लिखिए।

Q.2. बृहत्संहिता ग्रंथ के अनुसार अगस्त्यचाराध्याय का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

Q.3. वास्तु शास्त्र का परिचय एवं महत्व निरूपित कीजिए।

Q.4. ग्रहण का सामान्य परिचय प्रदान करते हुए विभिन्न राशियों में होने वाले ग्रहण का फल संहिता के अनुसार लिखिए।

Q.5. ज्योतिष शास्त्र का परिचय देते हुए संहिता स्कन्ध का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. चंद्रमा के विभिन्न स्वरूपों का संहिता के अनुसार फल लिखिए।

Q.2. तामस–कीलक आदि के बारे में लिखिए।

Q.3. वास्तु पुरूष की उत्पत्ति तथा स्वरूप के बारे में लिखिए।

Q.4. ग्रहणकालिक सूर्य–चंद्र के ऊपर विभिन्न ग्रहों दृष्टि का फल निरूपित कीजिए।

P.T.O.

Q.5. भूचयन के प्रमुख सिद्धांतों को लिखिए।

Q.6. संहिता के अनुसार बुधचारफल को अपने शब्दों में लिखिए।

Q.7. वास्तु शास्त्र के अनुसार द्वार निर्णय के प्रमुख सिद्धांतों के बारे में लिखिए।

Q.8. गृह के समीप रोपित किए जाने वाले वृक्षों का उल्लेख कीजिए।

****